Seventeenth Loksabha

an>

Title: Regarding demand for CBI enquiry in the illegal Mining issue

डॉ. निशिकांत दुबे (गोड्डा): माननीय सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से पूरे देश का ध्यान झारखण्ड में हो रहे अवैध खनन और उसमें मुख्यमंत्री, झारखण्ड की अवैध रूप से संलिप्तता के बारे में ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूँ ।

महोदय, मैं संथाल परगना के इलाके से आता हूँ, वहाँ माइनिंग के सिवाय रोज़गार का कोई दूसरा साधन नहीं है । आपको आश्चर्य होगा कि हमारे यहाँ 19 लाख करोड़ साल पुराना फॉसिल है, जो विश्व की धरोहर है ।

उसके ऊपर बीरबल साहनी ने पूरा रिसर्च किया और उत्तर प्रदेश में बीरबल साहनी पुराविज्ञान संस्थान, लखनऊ में है । उस सारे फॉसिल की भी स्टोन माफिया ने पूरी तरह क्रशिंग कर दी है । मुख्य मंत्री जी के सचिव जेल के अंदर हैं, मुख्य मंत्री के बिजनेस पार्टनर जेल के अंदर हैं, जो माइनिंग सेक्रेट्री थे, वे भी जेल के अंदर हैं । उनके सीए के यहां 20 करोड़ रुपए पकड़े गए हैं । ईडी ने जब अपनी जांच आगे बढ़ाई, तो उस जांच में यह पता चला कि यह पूरा स्कैम 10 हजार करोड़ रुपए का है ।

यह स्कैम कितना बड़ा है, आप इससे अंदाजा लगा सकते हैं कि जो ट्रक्स साहिबगंज और मनिहारी जो घाट हैं, सभापति महोदय, आप चूंकि बिहार को बहुत अच्छे तरीके से जानते हैं, वहां दस ट्रक्स डूब गए । दस ट्रक्स डूब गए और आज तक, छः महीने हो गए, उन ट्रकों का मालिक कौन है? उन ट्रकों को लेने के लिए कोई नहीं आया । ट्रक में जो ड्राइवर बैठा हुआ था, उसकी डेथ हो गई, उसके लिए कोई नहीं आया, जिस खलासी की डेथ हो गई, उसके लिए कोई नहीं आया ।

मेरा यह मानना है कि एनजीटी के रूल्स का वॉयलेशन हो रहा है, माइनिंग एक्ट के रूल्स का वॉयलेशन हो रहा है, गिट्टी और बालू का अवध पैमाने पर केवल खनन ही नहीं हो रहा है, ये बांग्लादेश तक जा रहे हैं । बांग्लादेश के साथ हमारा बॉर्डर लगा हुआ है । सारे माफिया बांग्लादेश और आईएसआई कंट्रोल्ड हैं । ये सारे पैसे प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉंड्रिंग एक्ट में बाहर चले गए हैं ।

सभापति महोदय, मेरा आपके माध्यम से आग्रह है कि सारे रूल्स भारत सरकार के हैं । माइनिंग एक्ट भारत सरकार का है और एनजीटी एक्ट भारत सरकार का है । वहां का आम आदमी परेशान है । मुख्य मंत्री खुद इसमें इनवॉल्वड हैं । मुख्य मंत्री के सचिव के यहां जब रेड होती है, तो उनके ब्लैंक चेकबुक्स नजर आते हैं ।

अतः इसकी सीबीआई इंक्वायरी हो, इसकी एनआईए की इंक्वायरी हो क्योंकि यह बांग्लादेश जा रहा है । हमको इससे मुक्त कीजिए और देश के दस हजार करोड़ रुपए, जो बाहर चले गए हैं, उनको

वापस लाकर गरीबों में बांट दीजिए ।

धन्यवाद ।